भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3485

13 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स, दरभंगा परियोजना की स्थिति

3485. श्री कल्याण बनर्जीः

श्री राजेश रंजनः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अंतर्गत स्वीकृत एम्स, दरभंगा परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है, साथ ही केवल मुख्य द्वार के स्तंभ ही निर्मित किए जाने के एक दशक बाद भी निर्माण कार्य बंद रहने के क्या कारण हैं;

(ख) परियोजना की स्वीकृति के बाद से अब तक स्वीकृत की गई और जारी की गई कुल निधि कितनी है और अब तक इस पर किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) परियोजना पूर्ण करने के लिए निर्धारित मूल समय-सीमा क्या थी और विलंब, यदि कोई हो, के क्या कारण हैं;

(घ) सरकार द्वारा परियोजना के समयबद्ध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए निगरानी और समीक्षा तंत्र संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) एम्स, दरभंगा के पूर्ण होने और इसका कार्यकरण शुरू किए जाने के लिए नियत संशोधित समय-सीमा क्या है;

(च) 2026 ग्लोबल फाइनेंस ब्रांड हेल्थ रिपोर्ट में एम्स की रैंकिंग की स्थिति क्या है;

(छ) देश में निर्माणाधीन नए एम्स की संख्या कितनी है और उनके पूर्ण होने की प्रत्याशित समय-सीमा क्या है, साथ ही पीएमएसएसवाई के अंतर्गत आवंटित निधि कितनी है; और

(ज) सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र को सुलभता, वहनीयता और सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में सुदृढ़ करने तथा तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखरेख सेवा की गुणवत्ता में क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने तथा चिकित्सा शिक्षा में सुधार लाने के लिए की गई पहलों और वित्त संबंधी कार्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ज): प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) का उद्देश्य देश में किफायती/विश्वसनीय विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा हेतु सुविधाकेंद्रों को भी बढ़ाना है। इस योजना के दो घटक हैं: (1) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना; और (2) मौजूदा सरकारी मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों का उन्नयन।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 15.09.2020 को दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना को इसकी मंजूरी की तारीख से 48 माह की समय सीमा में पूरा करने के साथ 1264 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ मंजूरी दी है। सितंबर, 2024 में, बिहार सरकार ने दरभंगा में एम्स की स्थापना के लिए 187.44 एकड़ भूमि सौंपी। वर्तमान में, दरभंगा में एम्स के पूर्व-निवेश कार्य, जिसमें चारदीवारी का निर्माण भी शामिल है, प्रगति पर है। आदिनांक मंत्रालय द्वारा पूर्व-निवेश कार्यों के लिए ₹ 27.81 करोड़ की राशि जारी की गई है। परियोजना की निगरानी संस्थान, राज्य सरकार और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्तर पर की जा रही है। परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए मंत्रालय स्तर पर इसपरियोजना समीक्षा समितियां गठित की गई हैं, जिनमें कार्यकारी एजेंसी, प्रापण सहायता एजेंसी और अन्य हितधारक शामिल हैं। परियोजना की निगरानी परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) पोर्टल और ई-समीक्षा पोर्टल के माध्यम से भी की जा रही है। एम्स, दरभंगा की स्थापना के लिए प्रस्तावित संशोधित समय-सीमा परियोजना के संशोधित लागत अनुमान की स्वीकृति की तारीख से 40 माह है। 'द 2026 ग्लोबल फाइनैंस ब्रांड हेल्थ रिपोर्ट' में कार्यशील संस्थानों को शामिल किया जाता है।

पीएमएसएसवाई के तहत निर्माणाधीन नए एम्स का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

अनुलग्नक

पीएमएसएसवाई के तहत निर्माणाधीन नए एम्स की स्थिति

क्र. सं	**एम्स**	**स्वीकृत परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)**	**पूरा करने की समय सीमा**
1	एम्स मदुरै	2021.51	अक्टूबर 2026
2	एम्स रेवाड़ी	1646.43	दिसंबर 2026
3	एम्स अवंतीपोरा	1828	दिसंबर 2026
4	एम्स दरभंगा	1264	**संशोधित लागत अनुमान की स्वीकृति की तारीख से 40 माह**

******